STD. VIII HINDI LIT.(कौरव नगरी -भाग --II)

प्रश्न उत्तर:---

प्रश्न 1. दोनों ही पक्षों को खोना ही खोना है --ऐसा क्यों कहा गया है?

उत्तर :--महाभारत का युद्ध दो भाइयों के पुत्रों के मध्य था।

एक ओर धृतराष्ट्र के पुत्र कौरवों का दल था तो दूसरी ओर पांडु पुत्र ,पांडव थे।

इस युद्ध की त्रासदी यही थी कि मरने वाले भी अपने और मारने वाले भी अपने ही थे ।अपनों को मार कर ही कोई पक्ष जीतता परंतु अपनों की हत्या का बोझ आत्मा पर लेकर जीवित रहता और जो पक्ष हारता , उसका तो सर्वस्व ही नाश हो जाता ।इसलिए इस युद्ध में दोनों ही पक्षों की हानि थी ।

प्रश्न 2. "द्वापर युग बीत गया "--से कवि का क्या आशय है?

उत्तर:-- महाभारत युद्ध के समय द्वापर युग था, जहाँ क्लेश ,द्वेष व स्वार्थ का नामोनिशान नहीं था ।पर हस्तिनापुर में इतने निकृष्ट कृत्य हो रहे थे कि परिवार में प्रेम, भाई-चारे, लोक- लाज की भावना नष्ट हो गई थी। यह देख कवि कहते हैं कि ऐसा लग रहा था ,मानो द्वापर युग बीत गया और कलयुग का प्रारंभ हो गया ।जहाँ सिर्फ़ स्वार्थ और द्वेष की भावना ही पनप रही थी।

प्रश्न 3.महाभारत का युद्घ कितने दिनों तक चला था और दो बूढ़े प्रहरी से क्या आशय हैं?

उत्तर:-महाभारत का युद्घ अट्ठारह दिनों तक चला था। सत्रह दिन बीत गए और आज अट्ठारहवें दिन की संध्या की बात है।

बूढ़ों प्रहरी यानि वे प्रहरी जो अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर थे और अपने कर्त्तव्यों व ज़िम्मेदारियों को पूरा कर चुके थे, जिनका सम्पूर्ण जीवन हस्तिनापुर की सुरक्षा में बीत गया था।